भारत का बाह्य ऋण : प्रवृत्ति, नीतिगत उपाय और विभिन्न देशों के साथ तुलना*

चालू खाते के घाटे को मुख्यतः ऋण प्रवाह के जरिए वित्त-पोषित किया गया क्योंकि वैश्विक अर्थव्यवस्था में जारी अनिश्चितता के चलते 2012-13 की पहली तिमाही में इक्विटी प्रवाह की मात्रा प्रभावित हुई थी। तथापि, बाह्य ऋण में वृद्धि की मात्रा पिछली तिमाही की तुलना में कम थी, जिसका मुख्य कारण भारतीय रुपया और अन्य अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं के प्रति अमरीकी डॉलर की मूल्यवृद्धि से लाभ होना था। 2012-13 की पहली तिमाही के दौरान बाह्य ऋण में वृद्धि का मुख्य कारण अनिवासी बाह्य रुपये में मूल्यवर्गित (एनआर(ई) आरए) जमाराशियों में बढ़ोतरी था जो कि अन्य बातों के साथ-साथ दिसंबर 2011 में इस प्रकार की जमाराशियों पर ब्याज दरों का अविनियमन करने और अल्पावधि व्यापार ऋण का अधिक सहारा लेने के कारण हुई। इस ऋण के घटक का ध्यान देने योग्य पक्ष ऐसे बाह्य वाणिज्यिक ऋण थे जिनमें अधिक चुकौती के कारण मामूली कमी आई थी और जो बढ़ी हुई विनियम दर अस्थिरता के कारण जोखिम से बचने की प्रवृत्ति में वृद्धि को भी दर्शाती है। ऋण की मुद्रा संरचना के संबंध में, अमरीकी डॉलर में मूल्यवर्गित ऋण सबसे अधिक अर्थात कुल बाह्य ऋण का 50 प्रतिशत से अधिक रहा। प्रमुख संवेदनशीलता सूचकांक की प्रवृत्ति से पता चलता है कि यद्यपि बाह्य ऋण प्रबंधनीय स्तर के भीतर है, फिर भी ऋण-जीडीपी अनुपात, कुल ऋण की तुलना में अल्पावधि ऋण अनुपात और कुल ऋण की तुलना में आरक्षित निधि के संबंध में पहली तिमाही में कुछ गिरावट आई जिससे बाह्य ऋण की गहन निगरानी आवश्यक हो जाती है। तथापि, इन प्रमुख संवेदनशीलता सूचकांकों के संबंध में भारत की ऋण स्थिति सर्वाधिक ऋणग्रस्त 20 देशों की तुलना में बेहतर है।

लेख की शुरुआत जून 2012 के अंत के बाह्य ऋण की संरचना से होती है। खंड I में बाह्य ऋण का विस्तृत विश्लेषण दिया गया है। विभिन्न देशों के बीच तुलना दी गई है जो कि खंड II में विश्व बैंक की वैश्विक विकास वित्त पर आधारित है जिसमें सबसे अधिक ऋणग्रस्त बीस देशों के बीच विभिन्न सूचकांकों के अनुसार 'भारत की स्थिति क्या है' पर विशेष ध्यान दिया गया है। हाल ही में जारी नीतिगत उपायों को खंड III में दिया गया है। समापन टिप्पणियों को खंड IV में दिया गया है।

* आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वित्त प्रभार में तैयार किया गया।

खंड I : जून 2012 के अंत में भारत के बाह्य ऋण की स्थिति

जून 2012 के अंत में बाह्य ऋण स्टॉक में मामूली बढ़ोतरी हुई

जून 2012 के अंत में भारत का बाह्य ऋण 349.5 बिलियन अमरीकी डॉलर था जो कि मार्च 2012 की तुलना में 3.9 बिलियन अमरीकी डॉलर या 1.1 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। यह वृद्धि मुख्यतः अनिवासी बाह्य रुपये (एनआर(ई) आरए) में मूल्यवर्गित जमाराशियों और अल्पावधि व्यापार ऋण के कारण हुई (सारणी 1, विवरण1 और विवरण 2)। जून 2012 के अंत में बहुपक्षीय ऋण और बाह्य वाणिज्यिक ऋण (ईसीबी) का स्टॉक मार्च 2012 के अंत के स्तर की तुलना में कम था। बाह्य वाणिज्यिक ऋण (ईसीबी) के स्टॉक में गिरावट का कारण तिमाही के दौरान अधिक चुकौती और बढ़ी हुई विनिमय दर अस्थिरता के चलते बढ़ती जोखिम विमुखता का होना था।

कुल ऋण में अल्पावधि ऋण की राशि पूर्ववर्ती तिमाही और पिछले वर्ष की समान तिमाही की तुलना में बढ़ गई, जिसका मुख्य कारण अधिक व्यापार ऋण था। जून 2012 के अंत में कुल बाह्य ऋण में दीर्घावधि ऋण की राशि 269.1 बिलियन अमरीकी डॉलर अर्थात 77.0 प्रतिशत रही और अल्पावधि ऋण की राशि 80.5 बिलियन अमरीकी डॉलर अर्थात् 23.0 प्रतिशत रही (सारणी 2)। यद्यपि, बढ़ते चालू खाते के घाटे को वित्त पोषण मुख्यतः ऋण प्रवाह के जरिए किया गया, फिर भी पूर्ववर्ती तिमाही की तुलना में ऋण की मात्रा में बढ़ोतरी अपेक्षाकृत कम हुई क्योंकि इस बढ़ोतरी के एक भाग को मूल्यन लाभ द्वारा समायोजित किया गया था। 2012-13 की पहली तिमाही के दौरान के मूल्यन लाभ 7.9 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया जो भारतीय रुपये और अन्य प्रमुख मुद्राओं के प्रति अमरीकी डॉलर के मूल्य में हुई वृद्धि को दर्शाता है। इस प्रकार, यदि मूल्यन लाभ को निकाल दिया जाता तो जून 2012 के अंत में बाह्य ऋण की राशि 11.8 बिलियन अमरीकी डॉलर बढ़ गई होती।

2012-13 की पहली तिमाही के दौरान ईसीबी का वितरण कम रहा जो कि मंद देशी आर्थिक गतिविधियों और बढ़ती जोखिम विमुखता को दर्शाता है

विनिर्माण और इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में भारतीय कंपनियों की वित्तीय जरूरत, पूंजीगत व्यय के लिए या नए रुपया पूंजीगत व्यय हेतु लिए

सारणी 1: बाह्य ऋण - बकाया और घट-बढ़

(मिलियन अमरीकी डॉलर)

मद	निम्न की समाप्ति पर बकाया			कुल घट-बढ़		प्रतिशत घट-बढ़	
	जून 2011	मार्च 2012 आं.सं.	जून 2012 अ.	जून 11 की तुलना में जून 12	मार्च 12 की तुलना में जून 12	जून 11 की तुलना में जून 12	मार्च 12 की तुलना में जून 12
	1	2	3	4	5	6	7
1. बहुपक्षीय	49,375	50,453	49,780	406	-673	0.8	-1.3
2. द्विपक्षीय	26,168	26,714	27,248	1,081	534	4.1	2.0
3. अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष	6367	6163	6037	-330	-126	-5.2	-2.0
4. व्यापार ऋण	18,692	18,980	19,094	402	114	2.2	0.6
5. बाह्य वाणिज्यिक उधार	92,675	105,210	104,841	12,166	-369	13.1	-0.4
6. एनआरआई जमाराशियां	52,898	58,608	60,874	7,976	2,266	15.1	3.9
7. रुपया ऋण	1,568	1,354	1,219	-349	-135	-22.3	-10.0
9. अल्पावधि ऋण	68,474	78,179	80,450	11,976	2,271	17.5	2.9
जिसमें से:							
(i) अल्पावधि व्यापार ऋण	61,532	65,130	70,508	8,976	5,378	14.6	8.3
कुल ऋण	**316,216**	**345,661**	**349,543**	**33,327**	**3,882**	**10.5**	**1.1**
ज्ञापन मदें							
अ. दीर्घावधि ऋण (1 से 7)	247,742	267,482	269,093	21,351	1,611	8.6	0.6
आ. अल्पावधि ऋण	68,474	78,179	80,450	11,976	2,271	17.5	2.9

अ.: अनंतिम ; आं.सं.: आंशिक रूप से संशोधित
स्रोत: वित्त मंत्रालय, भारत सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक।

गए बकाया रुपया ऋण की चुकौती को ध्यान में रखकर जून 2012 में 10 बिलियन अमरीकी डॉलर की अधिकतम सीमा के बाह्य वाणिज्यिक ऋण की अनुमति दी गई। तथापि, 2012-13 की पहली तिमाही के दौरान ईसीबी अनुमोदन पिछले वर्ष की इसी तिमाही के 8.0 बिलियन अमरीकी डॉलर की तुलना में घटकर लगभग 7.6 बिलियन अमरीकी डॉलर रह गया (सारणी 3)। इसके अतिरिक्त, कुल अनुमोदन की

सारणी 2 : घटक के अनुसार बाह्य ऋण

(मिलियन अमरीकी डॉलर)

मद	मार्च के अंत में			जून के अंत में	
	2010	2011	2012आं.स.	2011 आं.स.	2012 अ
	1	2	3	4	5
1. बहुपक्षीय	42,857	48,474	50,453	49,375	49,780
	(16.4)	(15.8)	(14.6)	(15.6)	(14.2)
2. द्विपक्षीय	22,593	25,698	26,714	26,168	27,248
	(8.7)	(8.4)	(7.7)	(8.3)	(7.8)
3. अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष	6,041.0	6,308	6163	6367	6037
	(2.3)	(2.1)	(1.8)	(2.0)	(1.7)
4. व्यापार ऋण	16,841	18,613	18,980	18,692	19,094
	(6.5)	(6.1)	(5.5)	(5.9)	(5.5)
5. बाह्य वाणिज्यिक उधार	70,726	88,565	105,210	92,675	104,841
	(27.1)	(28.9)	(30.4)	(29.3)	(30.0)
6. एनआरआई जमाराशियां	47,890	51,682	58,608	52,898	60,874
	(18.4)	(16.9)	(17.0)	(16.7)	(17.4)
7. रुपया ऋण	1,658	1,601	1,354	1,567	1,219
	(0.6)	(0.5)	(0.4)	(0.5)	(0.3)
8. दीर्घावधि ऋण (1 से 7)	**208,606**	**240,941**	**267,482**	**247,742**	**269,093**
	(79.9)	(78.8)	(77.4)	(78.3)	(77.0)
9. अल्पावधि ऋण	**52,329**	**64,990**	**78,179**	**68,474**	**80,450**
	(20.1)	(21.2)	(22.6)	(21.7)	(23.0)
कुल (8+9)	**260,935**	**305,931**	**345,661**	**316,216**	**349,543**
	(100.0)	**(100.0)**	**(100.0)**	**(100.0)**	**(100.0)**

अ: अनंतिम; आं.सं.: आंशिक रूप से संशोधित
एनआरआई: अनिवासी भारतीय
टिप्पणी : कोष्ठकों के आंकड़े कुल बाह्य ऋण का प्रतिशत दर्शाते हैं।
स्रोत: वित्त मंत्रालय, भारत सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक।

सारणी 3 : बाह्य वाणिज्यिक उधार

(मिलियन अमरीकी डॉलर)

वर्ष	अनुमोदन #	सकल संवितरण *	ऋण परिशोधन*	ब्याज *	कुल चुकौती
	1	2	3	4	5 (3+4)
2000-01	2,837	9,621	5,313	1,695	7,008
2001-02	2,653	2,684	4,272	1,456	5,728
2002-03	4,235	3,505	5,206	1,167	6,373
2003-04	6,671	5,225	8,015	2,031	10,046
2004-05	11,490	9,084	3,658	959	4,617
2005-06	17,175	14,343	11,584	3,015	14,599
2006-07	25,353	20,257	3,814	2,517	6,331
2007-08	28,900	28,700	6,060	3,652	9,712
2008-09	15,702	13,226	6,578	3,965	10,543
2009-10	20,636	13,980	11,498	3,244	14,742
2010-11 सं.	25,195	22,272	10,094	3,508	13,602
2011-12 आं.सं.	35,597	28,922	19,782	5,416	25,198
2011-12 (अप्रैल-जून)आं.सं.	7,980	6,451	831	187	1,018
2012-13 (अप्रैल-जून) आ	7,581	5,214	4,371	1678	6,049

अ. आरंभिक; आं.सं.: आंशिक रूप से संशोधित

* संशोधित: भुगतान संतुलन के आंकड़ों पर आधारित।

: ऋण करार की तिथि पर आधारित, जोकि आरबीआई द्वारा ऋण पंजीकरण संख्या दिए जाने की तारीख से भिन्न हो सकती है। ईसीबी अनुमोदन की सीमा आरबीआई द्वारा ऋण की पंजीकरण संख्या दिए जाने की तारीख के आधार पर निश्चित की गई है, जो ऋण के करार की तिथि के बाद अथवा पहले हो सकती है। इसलिए सारणी में अनुमोदन के अंतर्गत दिखाई गई राशि और वर्ष विशेष के लिए तय की गई अधिकतम सीमा की राशि के बीच कुछ अंतर हो सकता है।

टिप्पणी: 2003-04 और 2005-06 के दौरान ऋण चुकौती संबंधी भुगतान में क्रमशः आरआईबी और आईएमडी की चुकौती शामिल है।

तुलना में प्रतिशत रूप में ईसीबी का वितरण पिछले वर्ष की इसी तिमाही के 81.0 प्रतिशत से घटकर 2012-13 की पहली तिमाही में 69.0 प्रतिशत रह गया, जो मुख्यतः मंद देशी आर्थिक गतिविधियों और बढ़ी विनिमय दर अस्थिरता के चलते बढ़ती जोखिम विमुखता को दर्शाता है। इसके परिणाम स्वरूप, अधिक चुकौती के साथ कम वितरण के चलते 2012-13 की पहली तिमाही के अंत में बकाया ईसीबी में मामूली गिरावट आई।

कुल बाह्य ऋण में अमरीकी डॉलर में मूल्यवर्गित ऋण सबसे अधिक बना रहा

जून 2012 के अंत में कुल बाह्य ऋण में अमरीकी डॉलर में मूल्यवर्गित ऋण का हिस्सा सबसे अधिक अर्थात 56.3 प्रतिशत रहा जिसके बाद भारतीय रुपये (21.4 प्रतिशत), जापानी येन (9.1 प्रतिशत), एसडीआर (8.3 प्रतिशत) और यूरो (3.3 प्रतिशत) का स्थान था (सारणी 4)।

बाह्य ऋण में ऋण संरचना का लगभग आधा हिस्सा था

उधारकर्ता वर्ग में भारत के बाह्य ऋण के लिखत-वार वर्गीकरण से ज्ञात होता है कि जून 2012 के अंत में कुल बकाया ऋण में ऋण का हिस्सा 48.7 प्रतिशत था जबकि मार्च 2012 के अंत में इसका हिस्सा 49.0 प्रतिशत था। जून 2012 के अंत में व्यापार ऋण (दीर्घावधि तथा अल्पावधि) का हिस्सा 20.8 प्रतिशत था जोकि मार्च 2012 के अंत के 19.5 प्रतिशत की तुलना में अधिक है। जून 2012 के अंत में भारत के कुल बाह्य ऋण में मुद्रा तथा जमाराशियों का हिस्सा 17.5 प्रतिशत था जो कि मार्च 2012 के अंत के 17.0 प्रतिशत की तुलना में मामूली वृद्धि है (सारणी 5)।

अवशिष्ट परिपक्वता आधारित अल्पावधि ऋण कुल ऋण का लगभग 43 प्रतिशत और विदेशी मुद्रा भंडार का 50 प्रतिशत से अधिक है

जून 2012 के अंत में अवशिष्ट परिपक्वता के अनुसार कुल बाह्य ऋण में अल्पावधि ऋण का हिस्सा 42.9 प्रतिशत था।

सारणी 4: बाह्य ऋण की मुद्रा संरचना

(कुल बाह्य ऋण में प्रतिशत हिस्सा)

मुद्रा	मार्च के अंत में			जून के अंत में	
	2010	2011	2012	2011	2012 अ
	1	2	3	4	5
अमरीकी डॉलर	53.2	53.6	55.0	54.2	56.3
एसडीआर	10.7	9.7	8.7	9.5	8.3
भारतीय रुपया	18.7	19.5	21.4	19.2	21.4
जापानी येन	11.5	11.4	9.1	11.1	9.1
यूरो	3.6	3.7	3.7	3.7	3.3
पौंड स्टर्लिंग	1.8	1.7	0.9	1.7	0.9
अन्य	0.5	0.4	1.2	0.6	0.7
कुल	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**

आ. आरंभिक; आं.सं.: आंशिक रूप से संशोधित

स्रोत: वित्त मंत्रालय, भारत सरकार और भारतीय रिज़र्व बैंक।

सारणी 5: बकाया बाह्य ऋण का लिखत-वार वर्गीकरण

(मिलियन अमरीकी डॉलर)

उधारकर्ता	मार्च 2012 के अंत में	जून 2012 के अंत में
	1	2
अ. सरकार (1+2+3)	**81,895**	**80,152**
1. अल्पावधि	6,107	5,418
(i) मुद्रा बाजार लिखत	6,107	5,418
2. दीर्घावधि (i)+(ii)+(iii)	69,626	68,698
(i) बांड और नोट	5,261	5,047
(ii) ऋण	62,801	62,057
(iii) व्यापार ऋण	1,564	1,594
3. अन्य ऋण देयताएं	6,163	6,037
(i) आईएमएफ	6,163	6,037
आ. मौद्रिक प्राधिकरण	**170**	**174**
1. अल्पावधि	170	174
(i) मुद्रा और जमाराशियां	170	174
इ. गैर-सरकारी (1+2)	**263,596**	**269,216**
1. अल्पावधि (i)+(ii)	71,902	74,858
(i) मुद्रा बाजार लिखत	6,772	4,351
(ii) व्यापार ऋण	65,130	70,508
2. दीर्घावधि (i)+(ii)+(iii)+(iv)	191,694	194,358
(i) बांड और नोट	26,045	24,649
(ii) ऋण	106,418	108,199
(iii) मुद्रा और जमाराशियां	58,608	60,874
(iv) व्यापार ऋण	623	636
कुल बाह्य ऋण (अ+आ+इ)	**345,661**	**349,542**

स्रोत: वित्त मंत्रालय, भारत सरकार और भारतीय रिज़र्व बैंक।

अल्पावधि ऋण में, अनिवासी भारतीयों की जमाराशियों का हिस्सा सर्वाधिक अर्थात 29 प्रतिशत था। मुद्रा भंडार में अपेक्षाकृत कम वृद्धि होने के कारण जून 2012 के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार की तुलना में अवशिष्ट परिपक्वता के अनुसार अल्पावधि ऋण का अनुपात 51.8 प्रतिशत था (सारणी 6)।

जून 2012-13 के अंत में अल्पावधि ऋण में व्यापार ऋण के हिस्से में वृद्धि हुई

अल्पावधि ऋण में व्यापार ऋण और सरकारी ऋण में विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा किया गया निवेश मुख्य होता है तथा अन्य घटकों में विदेशी केंद्रीय बैंकों तथा अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा खजाना बिलों में निवेश एवं केंद्रीय बैंकों तथा वाणिज्य बैंकों की बाह्य देयताएं प्रमुख रूप से शामिल हैं।

मूल परिपक्वता के अनुसार अल्पावधि ऋण में मार्च 2012 के अंत की तुलना में जून 2012 के अंत में वृद्धि हुई। यह वृद्धि 6 महीने से 1 वर्ष की परिपक्वता अवधि के साथ व्यापार से जुड़े ऋण में वृद्धि होने के कारण हुई जो कि तेल की कंपनियों द्वारा अधिक उपयोग को दर्शाती है। कुल अल्पावधि ऋण में अल्पावधि व्यापार ऋण का हिस्सा मार्च 2012 के 83.3 प्रतिशत की तुलना में जून 2012 के अंत में अधिक अर्थात् 87.6 प्रतिशत था (सारणी 7)।

सारणी 6: जून 2012 के अंत में बकाया बाह्य ऋण की अवशिष्ट परिपक्वता

(मिलियन अमरीकी डॉलर)

घटक	अल्पावधि	दीर्घावधि			कुल
	एक वर्ष तक	1 से 2 वर्ष	2 से 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	(1) से (4)
	1	2	3	4	5
1. सरकारी ऋण (दीर्घावधि) $	4,433	4,620	4,835	60,846	**74,735**
2. बाह्य वाणिज्यिक उधार #	21,804	15,877	19,430	76,372	**133,484**
3. एनआरआई जमाराशियां (i)+(ii)+(iii)	43,327	5,595	4,548	7,404	**60,874**
(i) एफसीएनआर (बी)	11,660	1,313	799	500	**14,272**
(ii) एनआर (ई) आरए	23,621	3,069	3,104	5,887	**35,681**
(iii) एनआरओ	8,046	1,213	645	1,017	**10,921**
4. अल्पावधि ऋण* (मूल परिपक्वता)	80,450	0	0	0	**80,450**
जोड़ (1 से 4)	**150,014**	**26,093**	**28,813**	**144,622**	**349,542**
ज्ञापन मदें					
अल्पावधि ऋण (कुल ऋण के प्रतिशत के रूप में अवशिष्ट परिपक्वता)	**42.9**				
अल्पावधि ऋण (रिज़र्व के प्रतिशत के रूप में अवशिष्ट परिपक्वता)	**51.8**				

$: सरकारी प्रतिभूतियों में एफआईआई का निवेश शामिल है जो कि 5,047 मिलियन अमरीकी डॉलर है।

: बाह्य वाणिज्यिक उधारियों में व्यापार ऋण और गैर-सरकारी बहुपक्षीय और द्विपक्षीय उधारियों का एक भाग शामिल है इसलिए ये मूल परिपक्वता के अंतर्गत अन्य सारणियों में दिए गए बाह्य वाणिज्यिक उधार की राशि से भिन्न हैं।

* : इसमें 5,362 मिलियन अमरीकी डॉलर के सरकारी ऋण का अल्पावधि घटक भी शामिल है।

टिप्पणी: अनिवासी भारतीय जमाराशियों की अवशिष्ट परिपक्वता का अनुमान प्राधिकृत व्यापारियों द्वारा प्रस्तुत विवरणियों के आधार पर किया जाता है।

स्रोत: वित्त मंत्रालय, भारत सरकार और भारतीय रिज़र्व बैंक ।

सारणी 7 : मूल परिपक्वता-वार अल्पावधि ऋण

(मिलियन अमरीकी डॉलर)

	मार्च के अंत में			जून के अंत में	
	2010	2011	2012	2011	2012
	1	2	3	4	5
अ. अल्पावधि ऋण	**52,329**	**64,990**	**78,179**	**68,474**	**80,450**
क) व्यापार संबंधी ऋण	47,473	58,462	65,130	61,532	70,508
(i) 6 माह से अधिक और 1 वर्ष तक	28,003	35,347	39,182	36,933	45,220
(ii) 6 माह तक	19,470	23,116	25,948	24,599	25,288
ख) सरकारी खज़ाना बिलों और अन्य लिखतों में विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा निवेश	3357	5,424	9,395	5901	8,268
ग) विदेशी केंद्रीय बैंकों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं आदि द्वारा खजाना बिलों में किया गया निवेश	103	50	64	48	56
घ) बाह्य ऋण की देयताएं :	1,396	1,053	3,590	993	1,619
(i) केंद्रीय बैंक	695	155	170	133	174
(ii) वाणिज्य बैंक	701	898	3420	860	1445
आ. आयात (वर्ष के दौरान)*	300,644	381,061	499,533	417,504	495,063
इ. आयातों की तुलना में व्यापार ऋण (प्रतिशत)	15.8	15.3	13.0	14.7	14.2

* : भुगतान संतुलन आधार पर।
स्रोत: वित्त मंत्रालय, भारत सरकार और भारतीय रिज़र्व बैंक।

सरकारी ऋण के हिस्से में मामूली गिरावट आई

सरकारी बाह्य ऋण की राशि मार्च 2012 के अंत के 81.9 बिलियन अमरीकी डॉलर की तुलना में जून 2012 के अंत में 80.1 बिलियन अमरीकी डॉलर रह गई। जून 2012 के अंत में कुल बाह्य ऋण में सरकारी और गैर सरकारी ऋण का हिस्सा क्रमशः 22.9 प्रतिशत और 77.1 प्रतिशत था जबकि पूर्ववर्ती तिमाही के अंत में यह क्रमशः 23.7 प्रतिशत और 76.3 प्रतिशत था (सारणी 8)।

कुल ऋण की चुकौती में ईसीबी की चुकौती का हिस्सा 80 प्रतिशत था

ऋण चुकौती अनुपात की गणना भुगतान संतुलन के आधार पर चालू प्राप्तियों की तुलना में कुल ऋण चुकौती (मूल चुकौती+ब्याज का भुगतान) के समानुपात से की जाती है। भारत का ऋण चुकौती अनुपात 2011-12 के 6.0 प्रतिशत से सुधर कर 2012-13 की पहली तिमाही के दौरान 5.9 प्रतिशत हो गया (सारणी 9)। 2011-12 और 2012-13 की पहली तिमाही के दौरान बाह्य वाणिज्यिक उधारियों (मूल धन तथा ब्याज के भुगतान सहित) की चुकौती बढ़कर लगभग 80 प्रतिशत हो गई जबकि 2008-09 से 2010-11 की अवधि के दौरान यह लगभग 70 प्रतिशत के औसत के आसपास थी जो कंपनियों द्वारा अपनी वित्तीय जरूरत को पूरा करने के लिए ईसीबी का अधिक सहारा लेने को दर्शाती है।

जून 2012 के अंत में बकाया दीर्घावधि ऋण के आधार पर विदेशी मुद्रा परिवर्तनीय बांडों (एफसीसीबी) सहित बाह्य वाणिज्यिक उधारियों के मूल धन की चुकौती की राशि 2015-16 तथा 2016-

सारणी 8 : सरकारी और गैर-सरकारी बाह्य ऋण

(मिलियन अमरीकी डॉलर)

घटक	मार्च के अंत में			जून के अंत में
	2010	2011	2012	2012
	1	2	3	4
अ. सरकारी ऋण (I+II)	**67,067**	**78,071**	**81,895**	**80,152**
(जीडीपी के प्रतिशत के रूप में)	*4.6*	*4.7*	*4.7*	-
I. बाह्य सहायता के अंतर्गत सरकारी लेखा संबंधी बाह्य ऋण	55,235	62,295	63,374	62,750
II. अन्य सरकारी बाह्य ऋण @	11,845	15,776	18,521	17,402
आ. गैर सरकारी ऋण #	**193,868**	**227,859**	**263,766**	**269,390**
(जीडीपी के प्रतिशत के रूप में)	*13.6*	*13.2*	*15.3*	
इ. कुल बाह्य ऋण (अ+आ)	**260,935**	**305,931**	**345,661**	**349,543**
(जीडीपी के प्रतिशत के रूप में)	*18.3*	*17.8*	*20.0*	-

@ अन्य सरकारी बाह्य ऋण में रक्षा ऋण, एफआईआई, विदेशी केंद्रीय बैंकों तथा अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा खजाना बिलों/ सरकारी प्रतिभूतियों में किये गये निवेश शामिल हैं।
# मौद्रिक प्राधिकारियों के बाह्य ऋण शामिल हैं।
स्रोत: वित्त मंत्रालय, भारत सरकार और भारतीय रिज़र्व बैंक।

सारणी 9 : भारत का बाह्य ऋण चुकौती संबंधी भुगतान

(मिलियन अमरीकी डॉलर)

क्रम सं.	मद	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12	अप्रैल-जून 2012
		1	2	3	4	5
1	बाह्य सहायता	3,384	3,461	3,667	3,923	826
	चुकौती	2,375	2,585	2,839	3,125	657
	ब्याज	1009	876	828	798	169
2	बाह्य वाणिज्यिक उधार	10543	14742	13602	25198	6049
	चुकौती	6,578	11,498	10,094	19,782	4371
	ब्याज	3,965	3,244	3,508	5,416	1678
3	अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष	0	0	0	0	0
	चुकौती	0	0	0	0	0
	ब्याज	0	0	0	0	0
4	एनआरआई जमाराशियों के ब्याज	1,547	1,599	1,737	2,313	827
5	रुपया ऋण चुकौती संबंधी भुगतान	101	97	17	79	26
6	कुल ऋण चुकौती (1 से 5)	15,575	19,899	19,075	31,513	7,728
	चुकौती	9,054	14,180	13,002	22,986	5,054
	ब्याज	6,521	5,719	6,073	8,527	2,674
7	चालू प्राप्तियां #	356,175	345,144	448,067	528,372	130,679
	ऋण-चुकौती अनुपात (6/7)(प्रतिशत)	4.4	5.8	4.3	6.0	5.9

: चालू प्राप्तियों से सरकारी अंतरण घटाकर।
टिप्पणी : ऋण-चुकौती अनुपात को चालू प्राप्तियों के अनुपात के रूप में ऋण के मूलधन तथा ब्याज की कुल चुकौती की राशि के रूप में परिभाषित किया जाता है।
स्रोत: वित्त मंत्रालय, भारत सरकार और भारतीय रिज़र्व बैंक।

17 के दौरान उच्चतर रहने का अनुमान किया गया है, हालांकि बाद के वर्षों में इसमें कमी आने की संभावना है। इस पूर्वानुमान में नयी उधारियों के कारण भविष्य में होने वाले ऋण चुकौती संबंधी दायित्वों को शामिल नहीं किया गया है (सारणी 10)।

भारत के बाह्य ऋण के प्रमुख संकेतक

संवेदनशीलता का मूल्यांकन करने हेतु अपनाए गए बाह्य ऋण के संकेतकों में, जहां ऋण चुकाने की क्षमता वाले संकेतक अर्थात ऋण चुकौती अनुपात में 2011-12 की चौथी तिमाही की तुलना में 2012-13 की पहली तिमाही में मामूली सुधार हुआ, वहीं ऋण चुकाने की क्षमता वाले अल्स संकेतक अर्थात ऋण-जीडीपी अनुपात, विदेशी मुद्रा भंडार की तुलना में अल्पावधि ऋण और कुल बाह्य ऋण में मार्च 2012 के अंत की तुलना में जून 2012 के अंत में थोड़ी गिरावट आई (सारणी 11)।

सारणी 10 : ईसीबी और एफसीसीबी के ऋण चुकौती भुगतान संबंधी पूर्वानुमान

(मिलियन अमरीकी डॉलर)

वर्ष	मूलधन	ब्याज	जोड़
	1	2	3
2012-13*	12,644	2,331	14,975
2013-14	9,081	2,483	11,564
2014-15	11,828	2,283	14,111
2015-16	14,416	1,956	16,372
2016-17	14,537	1,383	15,920
2017-18	9,550	836	10,386
2018-19	4,941	511	5,452
2019-20	2,690	343	3,033
2020-21	2,267	233	2,500
2021-22	1,658	138	1,796
2022-23	764	83	847
2023-24	679	55	734

* : 2012-13 की पहली तिमाही को छोड़कर
टिप्पणी : ऋण चुकौती का पूर्वानुमान मार्च 2012 के अंत की बकाया ऋण स्थिति पर आधारित है।

सारणी 11: भारत के प्रमुख बाह्य ऋण संकेतक

वर्ष	बाह्य ऋण	सकल देशी उत्पाद की तुलना में बाह्य ऋण का अनुपात	ऋण चुकौती अनुपात	कुल ऋण की तुलना में विदेशी मुद्रा भंडार का अनुपात	कुल ऋण की तुलना में रियायती ऋण का अनुपात	विदेशी मुद्रा भंडार की तुलना में अल्पावधि ऋण का अनुपात	कुल ऋण की तुलना में अल्पावधि ऋण का अनुपात
	(बिलियन अमरीकी डॉलर)	(प्रतिशत)	(प्रतिशत)	(प्रतिशत)	(प्रतिशत)	(प्रतिशत)	(प्रतिशत)
	1	2	3	4	5	6	7
1990-91	83.8	28.7	35.3	7.0	45.9	146.5	10.2
1995-96	93.7	27.0	26.2	23.1	44.7	23.2	5.4
2000-01	101.3	22.5	16.6	41.7	35.4	8.6	3.6
2001-02	98.8	21.1	13.7	54.7	35.9	5.1	2.8
2002-03	104.9	20.3	16.0*	72.5	36.8	6.1	4.5
2003-04	112.6	18.0	16.1**	100.3	35.8	3.9	3.9
2004-05	134.0	18.1	5.9 ^	105.6	30.7	12.5	13.2
2005-06	139.1	16.8	10.1 #	109.0	28.4	12.9	14.0
2006-07	172.4	17.5	4.7	115.6	23.0	14.1	16.3
2007-08	224.4	18.0	4.8	138.0	19.7	14.8	20.4
2008-09	224.5	20.3	4.4	112.1	18.7	17.2	19.3
2009-10 आंसं	260.9	18.3	5.8	106.8	16.8	18.8	20.0
2010-11 आंसं	305.9	17.8	4.3	99.6	15.5	21.3	21.2
2011-12 आंसं	345.7	20.0	6.0	85.1	13.8	26.6	22.6
जून 2012 के अंत में अ.	349.5	21.7	5.9	82.9	13.5	27.8	23

अ: अनंतिम; आंसं: आंशिक रूप से संशोधित
*: 3,430 मिलियन अमरीकी डॉलर के बाह्य ऋण के पूर्व भुगतान को छोड़कर 12.4 प्रतिशत है।
**: 3,797 मिलियन अमरीकी डॉलर के बाह्य ऋण के पूर्व भुगतान एवं 5,549 मिलियन अमरीकी डॉलर के आरआईबी के मोचन को छोड़कर 8.2 प्रतिशत है।
^: 381 मिलियन अमरीकी डॉलर के बाह्य ऋण के पूर्व भुगतान को छोड़कर 5.7 प्रतिशत है।
#: 7.1 बिलियन अमरीकी डॉलर की इंडिया मिलेनियम डिपॉजिट की चुकौती तथा 23.5 मिलियन अमरीकी डॉलर के बाह्य ऋण के पूर्व भुगतान को छोड़कर 6.3 प्रतिशत है।
स्रोत : वित्त मंत्रालय, भारत सरकार तथा भारतीय रिज़र्व बैंक।

खंड II : बाह्य ऋण : विभिन्न देशों के बीच तुलना

विश्व बैंक के वैश्विक विकास वित्त ऑनलाइन डेटाबेस के अद्यतन आंकडों के अनुसार सबसे अधिक ऋणग्रस्त बीस देशों के बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तुलना करने पर यह स्पष्ट होता है कि बाह्य ऋण की दृष्टि से चीन शीर्ष पर है जिसके बाद रूसी गणराज्य, ब्राजील तथा तुर्की का स्थान है। सन 2010 में भारत का स्थान पांचवां था जोकि उसके पिछले वर्ष के समान है (सारणी 12)।

सर्वाधिक ऋणग्रस्त 20 देशों की तुलना में भारत के ऋण संकेतकों की स्थिति बेहतर है

रियायती ऋण के संबंध में ऊपर से नीचे के क्रम में पाकिस्तान, इंडोनेशिया तथा फिलीपीन्स के बाद भारत का स्थान चौथा है। ऋण चुकौती अनुपात की दृष्टि से चीन, थाईलैंड, दक्षिण अफ्रीका तथा मलेशिया के बाद भारत का स्थान पांचवा निम्नतम था। सकल राष्ट्रीय आय (जीएनआई) की तुलना में बाह्य ऋण अनुपात की दृष्टि से सबसे कम अनुपात वाले देशों के बीच भारत का स्थान चौथा था। इस संबंध में चीन का अनुपात सबसे कम था। कुल बाह्य ऋण की तुलना में अल्पावधि ऋण अनुपात की दृष्टि से सबसे कम अनुपात वाले देशों के बीच भारत का स्थान सातवां था। इसी प्रकार, कुल मुद्रा भंडार की तुलना में अल्पावधि ऋण अनुपात की दृष्टि से भारत का स्थान

सारणी 12: कुल बकाया बाह्य ऋण

(बिलियन अमरीकी डॉलर)

देश का नाम	2005	2006	2007	2008	2009	2010
1	2	3	4	5	6	7
चीन	283.0	322.8	373.1	379.8	432.2	548.6
रूसी गणराज्य	239.9	250.7	361.3	402.7	373.4	384.7
ब्राजील	187.5	193.5	237.6	262.2	276.9	347.0
तुर्की	168.8	204.8	252.9	284.1	271.2	293.9
भारत	139.1	172.4	224.4	224.5	260.9	305.9
मैक्सिको	165.8	161.2	178.6	187.1	171.5	200.1
इंडोनेशिया	134.3	125.3	133.8	147.6	162.9	179.1
अर्जेंटीना	124.9	115.9	117.3	118.9	120.3	127.8
रोमानिया	38.9	53.9	84.2	102.5	118.0	121.5
कज़ाकिस्तान	43.5	72.4	95.5	107.3	111.1	118.7
यूक्रेन	32.5	51.2	77.5	96.7	103.4	116.8
चिली	45.4	50.2	56.2	65.4	73.1	86.3
मलेशिया	51.9	54.9	61.4	66.1	66.3	81.5
फिलीपिन्स	61.7	60.4	66.0	65.0	63.1	72.3
थाईलैण्ड	46.4	45.9	45.3	49.8	57.9	71.3
कोलंबिया	37.7	38.0	43.7	46.4	52.1	63.1
पाकिस्तान	33.6	36.7	41.5	49.1	54.6	56.8
वेनेजुएला आर बी	44.9	43.7	48.3	52.8	55.2	55.6
बुल्गारिया	15.7	21.0	33.0	48.6	53.5	48.1
दक्षिण अफ्रीका	31.1	35.5	43.6	42.6	42.5	45.2

टिप्पणी : भारत के लिए स्रोत भारत सरकार और भारतीय रिज़र्व बैंक है। इसलिए , भारत के लिए आंकड़े वित्तीय वर्ष (अप्रैल-मार्च) से संबंधित हैं, कैलेन्डर वर्ष से नहीं
स्रोत : ग्लोबल डेवलपमेंट फाइनैंस ऑनलाइन डेटाबेस, विश्व बैंक, मंत्रालय।

सारणी 13: सर्वाधिक ऋणग्रस्त बीस देशों की अंतरराष्ट्रीय तुलना, 2010

देश का नाम	कुल बाह्य ऋण (बिलियन अमरीकी डॉलर)	रियायती ऋण / कुल बाह्य ऋण (प्रतिशत)	ऋण चुकौती अनुपात (प्रतिशत)	बाह्य ऋण स्टॉक /जीएनआई (प्रतिशत)	अल्पावधि ऋण /कुल बाह्य ऋण (प्रतिशत)	अल्पावधि ऋण / कुल रिज़र्व (प्रतिशत)
1	2	3	4	5	6	7
अर्जेंटीना	127.8	2.0	16.7	36.1	27.4	67.1
ब्राज़ील	347.0	3.3	19.0	16.9	18.9	22.7
बुल्गारिया	48.1	1.9	14.2	104.8	32.0	89.3
चिली	86.3	0.3	15.2	45.9	30.0	93.0
चीन	548.6	7.3	3.3	9.3	63.4	11.9
कोलंबिया	63.1	1.9	21.0	22.8	13.0	29.2
भारत	305.9	15.5	4.3	17.8	21.2	21.3
इंडोनेशिया	179.1	25.6	16.6	26.1	17.5	32.5
कज़ाकिस्तान	118.7	1.0	71.4	94.3	7.6	32.0
मलेशिया	81.5	4.3	5.2	35.4	43.0	32.9
मैक्सिको	200.1	1.2	9.8	19.5	19.5	32.4
पाकिस्तान	56.8	59.1	15.2	31.3	4.0	13.3
फिलीपीन्स	72.3	21.6	18.4	36.2	8.7	10.1
रोमानिया	121.5	5.8	31.2	76.4	20.6	52.1
रूसी गणराज्य	384.7	0.5	12.8	26.9	10.1	8.1
दक्षिण अफ्रीका	45.2	0.0	4.9	12.7	27.2	28.1
थाईलैण्ड	71.3	9.4	4.8	23.4	54.0	22.4
तुर्की	293.9	3.3	36.7	40.4	26.6	90.9
यूक्रेन	116.8	1.1	40.7	85.9	22.7	76.5
वेनेजुएला आर बी	55.6	2.9	8.8	14.3	27.8	52.0

स्रोत : भारत के लिए आंकड़े राष्ट्रीय प्राधिकारियों द्वारा वर्ष 2010-11 के लिए प्रकाशित आँकड़ों से लिए गए हैं और अन्य देशों के आंकड़े विश्व बैंक के ग्लोबल डेवलपमेंट फाइनैंस ऑनलाइन डेटाबेस में दिसंबर 2010 की समाप्ति पर दिए गए आंकड़ों से लिए गए हैं।

निम्नतम पांचवा था, क्योंकि मुद्रा भंडार की तुलना में ऋण अनुपात की दृष्टि से रूसी गणराज्य, फिलीपीन्स, चीन और पाकिस्तान का अनुपात भारत से अधिक था (सारणी 13)। चुनिन्दा देशों की लिखतवार ऋण स्थिति से पता चलता है कि कुल बाह्य ऋण में व्यापार ऋण का हिस्सा भारत के लिए सबसे अधिक था; क्योंकि ऋण की तुलना में मुद्रा भंडार अनुपात की दृष्टि से रूसी गणराज्य, फिलीपीन्स, चीन और पाकिस्तान का अनुपात भारत की तुलना में कम है। लिखतवार, बाह्य ऋण से पता चलता है कि भारत के मामले में ऋण प्रतिभूतियां प्रमुख उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में अपेक्षाकृत कम हैं (सारणी 13 और सारणी 14)।

चुनिन्दा देशों की क्षेत्रवार ऋण स्थिति से पता चलता है कि कुल बाह्य ऋण का लगभग एक-चौथाई सरकारी ऋण का हिस्सा अन्य उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं अर्थात ब्राजील, कज़ाकिस्तान, रोमानिया और रूसी गणराज्य की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक है; जबकि कुल बाह्य ऋण में 18 प्रतिशत बैंक का हिस्सा इन उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में भारत के लिए कम था (सारणी 15)।

वाणिज्यिक शर्तों पर निजी स्रोतों से बाह्य ऋण लेने का महत्व बढ़ने के कारण कुल ऋण के प्रतिशत के रूप में रियायती ऋण कई वर्षों से कम हुए हैं (सारणी 16)।

राष्ट्रीय आय की तुलना में अनुपात ऋण से बाह्य ऋण की चुकौती संबंधी बोझ के संकेत मिलते हैं। सबसे अधिक ऋणग्रस्त 20 देशों में भारत का स्थान राष्ट्रीय आय की तुलना में बाह्य ऋण के अनुपात की दृष्टि से नीचे से चौथा था (सारणी 17)।

सर्वाधिक ऋणग्रस्त 20 देशों की तुलना में ऋण शोधन-क्षमता संकेतक की स्थिति बेहतर है

वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात की तुलना में ऋण चुकौती अनुपात ऋण शोधक क्षमता का प्रमुख संकेतक है जिससे यह पता चलता है कि ऋण की चुकौती के लिए निर्यात से प्राप्त राशि का किस सीमा तक उपयोग किया जाता है। यह अनुपात जितना अधिक होता है देश की स्थिति उतनी ही नाजुक होती है। 2010 में यह अनुपात 5.6 प्रतिशत था जिसके अनुसार विश्व के शीर्ष के 20 ऋणग्रस्त देशों में नीचे के क्रम में इसका स्थान पांचवां था। लैटिन अमरीका के देशों तथा सीआईएस के कुछ देशों का ऋण चुकौती अनुपात उच्च स्तर पर बना

सारणी 14 : सकल बाह्य ऋण की लिखत-वार स्थिति

बिलियन अमरीकी डॉलर

देश	ऋण प्रतिभूतियां	ऋण	मुद्रा और जमाराशियां	व्यापार ऋण	अन्य देयताएं	प्रत्यक्ष निवेश: अंतर -कंपनी उधार	कुल
2011 की चौथी तिमाही							
1	2	3	4	5	6	7	8
अर्जेंटीना	49.2	36.8	0.5	12.9	17.5	24.0	141.0
ब्राजील	111.6	144.6	0.6	33.1	8.3	105.9	404.1
भारत	37.7	168.6	52.6	66.6	6.1	0.0	331.6
इंडोनेशिया	65.2	140.5	7.1	6.4	6.2	0.0	225.4
कजाकिस्तान	17.7	35.7	1.1	8.7	0.8	59.9	123.8
मैक्सिको	175.6	81.0	5.0	16.7	7.8	0.0	286.1
पोलैंड	100.7	95.4	32.5	16.1	4.7	75.1	324.5
रोमानिया	8.6	73.2	18.5	2.8	2.0	23.9	128.9
रूसी गणराज्य	44.8	241.5	157.3	2.4	14.1	85.3	545.4
तुर्की	50.5	185.2	38.0	25.7	1.5	5.5	306.4
2012 की पहली तिमाही							
अर्जेंटीना	50.8	35.9	0.4	13.1	17.6	24.0	141.8
ब्राजील	115.9	143.0	0.8	33.8	7.7	113.2	414.4
भारत	41.3	172.7	58.8	66.7	6.2	0.0	345.7
इंडोनेशिया	66.7	141.7	6.9	5.9	7.3	0.0	228.5
कजाकिस्तान	19.0	36.0	1.2	8.7	0.9	63.4	129.3
मैक्सिको	203.7	76.9	2.9	17.7	7.3	0.0	308.5
पोलैंड	114.0	99.3	33.8	16.7	5.0	81.6	350.4
रोमानिया	10.8	74.8	18.3	2.7	2.1	24.7	133.4
रूसी गणराज्य	50.8	248.7	158.6	2.9	15.3	89.2	565.5
तुर्की	53.8	188.1	43.3	25.7	1.5	5.8	318.2

- : शून्य / नगण्य।
टिप्पणी : भारत से संबंधित आंकड़े आंशिक रूप से संशोधित हैं।
स्रोत : तिमाही बाह्य ऋण सांख्यिकी, विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष।

हुआ है जोकि परिशोधन और ब्याज भुगतानों का भारी बोझ बने रहने को दर्शाता है। इसी प्रकार, कुल बाह्य ऋण की तुलना में अल्पावधि ऋण का अनुपात तथा अंतरराष्ट्रीय रिज़र्व की तुलना में अल्पावधि ऋण का अनुपात जैसे अन्य ऋण शोधन-क्षमता मानदंड विश्व के शीर्ष 20 ऋणी देशों की तुलना में भारत के संबंध में सामान्य स्तर पर बने रहें (सारणी 18)।

विश्व बैंक तथा अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा संयुक्त रूप से विकसित की गई त्रैमासिक बाह्य ऋण सांख्यिकी (क्यूईडीएस) में उन देशों के बाह्य ऋण संबंधी विस्तृत विवरण दिए जाते हैं जो अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के विशेष आंकड़ा प्रसार मानक/सामान्य आंकड़ा प्रसार प्रणाली के सदस्य होते हैं। आंकड़े की रिपोर्ट करने वाले 69 देशों की 2011 की चौथी तिमाही और 2012 की पहली तिमाही की स्थिति विश्व बैंक द्वारा जारी कर दी गयी है जिसे अनुबंध I में दिया गया है।

भारत में यूरोपियन बैंकों का एक्सपोज़र

यूरो जोन के ऋण संकट ने भारत में आने वाले लगातार निधि प्रवाह के बारे में चिंता बढ़ा दी है। अंतरराष्ट्रीय निपटान बैंक के अनुसार जून 2012 के अंत में तात्कालिक उधारकर्ता आधार पर भारत पर समेकित विदेशी दावा 311.6 बिलियन अमरीकी डॉलर होने का अनुमान था जिसमें से यूरोपियन बैंकों का दावा 132.8 बिलियन अमरीकी डॉलर का था। अंतिम जोखिम आधार पर भारत के अन्य लेनदारों की रकम 43.6 बिलियन अमरीकी डॉलर है जिसमें से यूके को छोड़कर अन्य यूरोपियन संस्थाओं की रकम 6.6 बिलियन अमरीकी डॉलर थी।

खंड III : भारत में बाह्य ऋण का प्रबंधन और हाल के नीतिगत उपाय

भारत की बाह्य ऋण नीति का फोकस रियायती शर्तों पर लंबी अवधि के सरकारी ऋण जुटाने, वाणिज्यिक उधारियों के स्तर एवं उनके अंतिम उपयोग का विनियमन करने, अनिवासी भारतीय जमाराशियों की ब्याज दरों को युक्तिसंगत बनाने और अल्पावधि ऋण की निगरानी करने पर रहा है। अनुक्रम के अनुसार, अल्पावधि की तुलना में दीर्घावधि प्रवाह को वरीयता दी जाती है। ऑटोमैटिक तथा अनुमोदन मार्ग से आने वाले बाह्य वाणिज्यिक ऋण प्रवाह को

सारणी 15 : सकल बाह्य ऋण की क्षेत्र-वार स्थिति

देश	सामान्य सरकार	मौद्रिक प्राधिकारी	बैंक	अन्य क्षेत्र	प्रत्यक्ष निवेश अंतर-कंपनी
2011 की चौथी तिमाही					
1	2	3	4	5	6
अर्जेंटीना	68.2	5.0	3.9	39.8	24.0
ब्राजील	57.8	4.4	138.2	97.7	105.9
भारत	81.2	0.1	57.9	192.1	..
इंडोनेशिया	112.4	6.2	18.5	88.3	..
कजाकिस्तान	4.5	0.6	14.6	44.3	59.9
मैक्सिको	127.4	4.9	22.0	131.8	..
पोलैंड	115.7	5.0	66.4	62.2	75.1
रोमानिया	28.8	14.8	29.4	32.0	23.9
रूसी गणराज्य	34.7	11.2	162.2	251.9	85.3
तुर्की	82.9	9.7	90.1	118.2	5.5
2011 की पहली तिमाही					
अर्जेंटीना	69.7	4.0	3.7	40.3	24.0
ब्राजील	58.7	4.5	138.0	100.0	113.2
भारत	81.9	0.2	65.3	198.5	..
इंडोनेशिया	112.5	5.9	19.2	90.9	..
कजाकिस्तान	4.6	0.7	14.8	45.8	63.4
मैक्सिको	150.2	4.7	18.4	135.1	..
पोलैंड	129.8	6.7	66.9	65.3	81.6
रोमानिया	31.9	14.9	29.5	32.4	24.7
रूसी गणराज्य	36.3	11.5	168.4	260.0	89.2
तुर्की	85.5	9.7	95.8	121.5	5.8

- : अनुपलब्ध।
टिप्पणी : भारत से संबंधित आंकड़े आंशिक रूप से संशोधित हैं।
स्रोत : तिमाही बाह्य ऋण सांख्यिकी, विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष।

ब्याज दर की अधिकतम सीमा तय करके नियंत्रित किया जाता है और ऑटोमैटिक मार्ग से आनेवाले प्रवाहों पर इसकी कुल मात्रा पर भी अधिकतम सीमा तय की जाती है। इसी प्रकार, विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा ऋण प्रतिभूतियों अर्थात सरकारी तथा कारपोरेट ऋण में निवेश के लिए भी सीमा निर्धारित है। मंद एफआईआई इक्विटि प्रवाह के बीच, पूंजी अंतर्वाहों, विशेष रूप से चालू खाते के घाटे को वित्त प्रदान करने के लिए ऋण प्रवाह को सुधारने के लिए नीतिगत उपाय किए गए।

हाल की नीतिगत गतिविधियां

बाह्य वाणिज्यिक उधार

कारपोरेट क्षेत्र की वित्तीय जरूरतों एवं घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय वित्तीय बाजारों की प्रचलित चलनिधि स्थिति को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार का वित्त मंत्रालय रिज़र्व बैंक के साथ परामर्श करके बाह्य वाणिज्यिक उधार तथा व्यापार ऋण संबंधी नीतिगत ढ्यान की नियमित समीक्षा करता है एवं ऐसे नीतिगत उपाय करता है जो ऋण प्रबंधन के लक्ष्य के अनुरूप हो। बाह्य वाणिज्यिक उधार संबंधी नीति के प्रमुख तत्वों में परिपक्वता की अवधि लंबी रखना, लागत कम रखना तथा ढांचागत तथा निर्यात क्षेत्रों में निवेश को बढ़ावा देना शामिल हैं। कारपोरेटों द्वारा ली जानेवाली बाह्य वाणिज्यिक उधारियों की अनुमति आटोमैटिक तथा अनुमोदित मार्ग के जरिए दी जाती है। न्यूनतम मानदंडों को पूरा करने वाले प्रस्तावों का अनुमोदन आटोमैटिक मार्ग से किया जाता है तथा जो अन्य मामले अनुमोदन मार्ग के अंतर्गत आते हैं उन पर भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा गठित अधिकार प्राप्त समिति द्वारा विचार किया जाता है।

जून 2012

विनिर्माण और इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र वाली और विदेशी मुद्रा का अर्जन करने वाली भारतीय कंपनियों को अनुमोदन मार्ग से पूंजीगत व्यय के लिए बकाया रुपया ऋणों और/या नए रुपया पूंजीगत व्यय की चुकौती के लिए बाह्य वाणिज्यिक उधार लेने की अनुमति दी गयी जिसकी समग्र सीमा 10 बिलियन अमरीकी डॉलर रखी गखी।

सितंबर 2012

यह निर्णय लिया गया कि जहां 'इन्फ्रास्ट्रक्चरट को ईसीबी पर मौजूदा दिशा-निर्देशों के अनुसार परिभाषित किया गया है वहां

सारणी 16 : सर्वाधिक ऋणी बीस देशों की ऋणग्रस्तता का स्वरूप

(प्रतिशत)

देश	कुल बाह्य ऋण की तुलना में रियायती ऋण					कुल बाह्य ऋण की तुलना में पीपीजी @				
	2006	2007	2008	2009	2010	2006	2007	2008	2009	2010
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
अर्जेंटीना	1.3	1.4	1.7	2.0	2.0	1.8	1.9	1.3	1.7	2.0
ब्राजील	1.4	1.1	1.4	2.4	3.3	3.0	1.6	1.4	0.9	0.7
बुल्गारिया	3.7	2.6	2.0	1.8	1.9	2.7	1.8	2.3	1.0	0.9
चिली	0.5	0.4	0.3	0.3	0.3	1.1	0.9	1.3	1.6	0.4
चीन	10.6	10.1	10.8	10.0	7.3	0.3	0.2	0.2	0.2	0.2
कोलंबिया	2.7	2.2	2.1	2.0	1.9	3.5	2.4	1.8	1.7	1.6
भारत	28.4	23.0	19.7	18.7	16.8	0.6	0.8	1.2	0.5	0.4
इंडोनेशिया	29.5	28.6	29.3	26.8	25.6	2.6	2.6	1.9	1.9	1.3
कजाकिस्तान	1.3	1.0	1.1	1.0	1.0	0.5	0.8	0.2	0.2	0.3
मलेशिया	9.0	5.3	6.5	5.6	4.3	2.4	2.6	1.2	3.3	1.2
मैक्सिको	0.9	0.6	0.5	0.8	1.2	4.1	2.0	1.8	1.9	1.8
पाकिस्तान	70.4	68.3	62.0	58.8	59.1	1.4	1.4	1.3	1.5	1.6
फिलीपीन्स	20.6	20.0	23.1	22.9	21.6	7.0	3.4	3.7	4.0	4.9
रोमानिया	2.1	1.6	1.6	3.5	5.8	1.8	1.3	1.7	1.3	1.7
रूसी गणराज्य	0.9	0.6	0.5	0.5	0.5	3.9	1.2	1.8	1.8	1.7
दक्षिण अफ्रीका	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	1.0	1.0	0.9	0.8	0.6
थाईलैण्ड	14.1	13.5	13.6	10.9	9.4	1.7	1.0	1.1	0.6	0.5
तुर्की	2.1	2.4	2.6	3.2	3.3	2.0	1.9	1.8	1.9	1.5
यूक्रेन	3.5	2.1	1.5	1.3	1.1	1.7	1.3	0.7	2.3	1.2
वेनेजुएला आर बी	0.9	0.9	0.8	1.8	2.9	4.6	1.9	1.6	1.0	1.3

@ सार्वजनिक और सार्वजनिक रूप से गारंटीकृत ऋण।
टिप्पणी: भारत से संबंधित आंकड़ों के स्रोत भारत सरकार तथा भारतीय रिजर्व बैंक हैं। अतः भारत के आंकड़े वित्तीय वर्ष (अप्रैल-मार्च) के हैं, न कि कैलेंडर वर्ष के नहीं।
स्रोत : ग्लोबल डेवलपमेंट फाइनैंस ऑनलाइन डेटाबेस, विश्व बैंक, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार तथा भारतीय रिजर्व बैंक।

इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र की कंपनियों को पूंजीगत वस्तुओं के आयात के लिए पांच वर्ष की अधिकतम अवधि तक के लिए व्यापार ऋण का उपयोग करने की अनुमति दी जाए।

बाह्य वाणिज्यिक ऋणों पर ब्याज भुगतान संबंधी कर रोकने की दर को 20 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया जो तीन वर्ष अर्थात 1 जुलाई 2012 से 30 जून 2015 तक के लिए लागू है। इससे कंपनियों द्वारा लिए जाने वाले बाह्य वाणिज्यिक ऋणों की लागत कम होने की उम्मीद है।

विदेशी संस्थागत निवेशक

पूंजीगत अंतर्वाहों को प्रभावित करने वाले विदेशी संस्थागत निवेशकों से संबंधित हाल में किए गए नीतिगत उपायों को विस्तृत रूप से नीचे दिया गया है।

जून 2012

सरकारी प्रतिभूतियों में विदेशी संस्थागत निवेशकों के निवेश की सीमा को 5 बिलियन अमरीकी डॉलर की अतिरिक्त राशि बढ़ाकर 20 बिलियन अमरीकी डॉलर कर दिया गया। सरकारी प्रतिभूतियों के लिए अनिवासी निवेशक-आधार बढ़ाने के लिए राष्ट्रिक धन निधियां (एसडब्ल्यूएफ), बहुपक्षीय एजेन्सियां, धर्मादा निधियां, बीमा निधियां, पेन्सन निधियां और विदेशी केन्द्रीय बैंकों जैसे दीर्घावधि वाले निवेशकों को 20 बिलियन अमरीकी डॉलर की समस्त सीमा को सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश करने की अनुमति दी गई। इसके कारण, ऋण प्रतिभूतियों जिसमें सरकारी और कार्पोरेट बांड शामिल हैं, में विदेशी संस्थागत निवेशकों का कुल निवेश इस समय 65 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया।

इन्फ्रास्ट्रक्चर ऋण में विदेशी संस्थागत निवेशकों के निवेश की योजना और इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास निधि में अनिवासी जमाराशियों की योजना से संबंधित शर्तों को अवरुद्धता अवधि और अवशिष्ट परिपक्वता अवधि के संदर्भ में तर्कसंगत बनाया गया। इसके अलावा, पात्र विदेशी निवेशक उन म्यूचुअल फंड योजनाओं में निवेश कर सकते हैं जिनमें इन्फ्रास्ट्रक्चर संबंधी म्यूचुअल फंड में निवेश की वर्तमान 3 बिलियन अमरीकी डॉलर की उप-सीमा के तहत संरचनागत क्षेत्र में उनकी आस्तियों की कम-से- कम 25 प्रतिशत की धारिता हो।

सारणी 17 : चालू प्राप्तियों और राष्ट्रीय आय की तुलना में ऋण अनुपात

(प्रतिशत)

देश	बाह्य ऋण की मात्रा (जीएनआई का प्रतिशत)					बाह्य ऋण की मात्रा (चालू प्राप्तियों का प्रतिशत)@				
	2006	2007	2008	2009	2010	2006	2007	2008	2009	2010
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
अर्जेंटीना	55.5	45.9	37.2	40.4	36.1	192.3	160.8	135.4	171.2	152.1
ब्राजील	18.2	17.8	16.2	17.7	16.9	118.2	121.2	108.8	146.1	143.9
बुल्गारिया	64.9	84.8	98.7	114.1	104.8	95.5	119.9	152.2	219.3	169.5
चिली	39.1	38.6	41.5	49.0	45.9	71.8	67.5	78.8	107.6	98.3
चीन	11.8	10.6	8.3	8.6	9.3	28.9	26.2	22.6	30.0	28.9
कोलंबिया	24.3	21.9	19.8	23.0	22.8	126.5	121.2	104.5	131.9	135.4
भारत	16.8	16.4	18.7	18.2	16.9	78.6	80.1	70.3	90.9	80.9
इंडोनेशिया	35.9	32.3	30.0	31.3	26.1	106.6	99.9	93.2	120.9	101.3
कजाकिस्तान	101.3	104.1	94.2	108.4	94.3	168.4	172.5	134.7	219.3	177.4
मलेशिया	36.2	33.6	30.8	35.1	35.4	28.7	28.3	27.3	33.5	32.1
मैक्सिको	17.3	17.6	17.3	19.8	19.5	59.2	60.1	59.0	68.7	62.7
पाकिस्तान	28.2	28.5	29.3	32.8	31.3	171.4	178.2	183.3	238.0	198.8
फिलीपीन्स	49.9	44.5	37.4	37.5	36.2	105.3	102.2	101.6	116.2	103.3
रोमानिया	45.0	49.8	51.4	71.9	76.4	129.8	157.9	155.4	226.2	204.7
रूसी गणराज्य	26.1	28.5	25.0	31.6	26.9	68.8	81.9	68.9	98.7	79.8
दक्षिण अफ्रीका	13.9	15.8	16.0	15.4	12.7	42.2	44.9	40.6	51.4	43.3
थाईलैण्ड	23.1	19.0	19.0	22.8	23.4	29.2	24.0	23.0	31.0	30.5
तुर्की	39.1	39.5	39.3	44.7	40.4	165.6	167.7	155.3	182.7	184.0
यूक्रेन	48.3	55.1	54.1	90.1	85.9	99.3	114.5	106.2	175.7	157.9
वेनेजुएला आर बी	24.0	21.1	16.9	17.1	14.3	58.1	59.7	50.1	89.2	80.0

@ चालू प्राप्तियों में (कामगारों के विप्रेषण सहित) वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात शामिल हैं।
टिप्पणी: इस सारणी में, भारत के लिए आंकड़ों के स्रोत भारत सरकार तथा भारतीय रिजर्व बैंक हैं। अतः 1990 से भारत के आंकड़े वित्तीय वर्ष (अप्रैल-मार्च) के हैं न कि कैलेंडर वर्ष के। आंकड़े जीडीपी की तुलना में बाह्य ऋण के अनुपात के हैं।
स्रोत : ग्लोबल डेवलपमेंट फाइनैंस, विश्व बैंक, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार तथा भारतीय रिजर्व बैंक।

अनिवासी भारतीयों की जमाराशियां

अनिवासी जमाराशियों को जुटाने में बैंकों को अधिक छूट प्रदान करने एवं मौजूदा बाजार की स्थितियों को भी ध्यान में रखते हुए अनिवासी (बाह्य) रुपया जमाराशियों और साधारण अनिवासी (एनआरओ) खातों पर ब्याज दरें दिसंबर 2011 में अविनियमित कर दी गईं। तद्नुसार, बैंक अनिवासी (बाह्य) रुपया (एनआरई) जमाराशियों के तहत एक वर्ष और उससे अधिक की बचत और मीयादी जमाराशियों - दोनों और साधारण अनिवासी खातों (एनआरओ) के तहत बचत जमाराशियों पर ब्याज दरें निर्धारित करने के लिए स्वतंत्र हैं। किन्तु, एनआरई और एनआरओ जमाराशियों पर बैंकों द्वारा दी जाने वाली ब्याज दरें तुलनीय घरेलू रुपया जमाराशियों पर उनके द्वारा दी जा रही ब्याज दरों से अधिक नहीं हो सकती। संशोधित ब्याज दरें नई जमाराशियों और परिपक्व होने वाली जमाराशियों के नवीकरण पर लागू हैं।

मई 2012

मई 2012 के दौरान, विदेशी मुद्रा प्रवाहों को सुधारने के लिए विदेशी मुद्रा में व्यापार ऋण और विदेशी मुद्रा अनिवासी [एफसीएनआर (बी)] जमाराशियों के संबंध में नीतिगत उपाय किए गए। बैंकों की एफसीएनआर (बी) जमाराशियों के संबंध में ब्याज दरों की उच्चतम सीमा को एक वर्ष से तीन वर्ष से कम तक की परिपक्वता वाली अवधि के लिए तदनुरुपी लिबॉर/स्वैप दरों से 125 आधार अंक से बढ़ाकर 200 आधार अंक कर दिया गया और 3 से 5 वर्ष की परिपक्वता अवधि के लिए इसे बढ़ाकर 300 आधार अंक कर दिया गया।

निर्यात ऋण

विदेशी मुद्रा में निर्यात ऋण की उच्चतम दरों, जो विदेशी मुद्रा में निर्यातकों को ऋण की उपलब्धता में बाधा बनती थी, को अविनियमित कर दिया गया और बैंकों को इस प्रकार के ऋणों पर ब्याज दरें निर्धारित करने की अनुमति प्रदान की गई।

खंड IV : समापन

2012-13 की पहली तिमाही के दौरान बाह्य ऋण में मामूली वृद्धि हुई। यह वृद्धि मुख्यतः भारतीय रुपया और अन्य अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं की तुलना में अमरीकी डॉलर की मूल्यवृद्धि से हुए लाभ के

सारणी 18: ऋणशोधन क्षमता के संकेतक - ऋण और ब्याज चुकौती अनुपात

(प्रतिशत)

देश	ऋण चुकौती अनुपात					ब्याज चुकौती अनुपात				
	2006	2007	2008	2009	2010	2006	2007	2008	2009	2010
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
अर्जेंटीना	36.2	12.3	8.8	17.3	16.7	6.6	5.2	3.5	4.8	4.3
ब्राजील	38.0	28.0	23.4	23.5	19.0	9.0	7.4	6.7	7.5	5.7
बुल्गारिया	12.4	15.3	16.8	21.4	14.2	3.4	4.2	5.0	6.2	2.2
चिली	20.8	14.3	19.5	25.6	15.2	2.9	2.6	2.3	2.7	2.7
चीन	2.5	2.2	2.0	2.8	3.3	0.8	0.8	0.6	0.4	1.8
कोलंबिया	34.4	23.9	17.8	22.3	21.0	8.6	8.3	6.8	7.4	6.9
भारत	4.7	4.8	4.4	5.8	4.3	2.3	2.1	1.8	1.7	1.4
इंडोनेशिया	24.0	17.9	13.5	18.5	16.6	3.2	3.8	2.9	3.3	3.0
कजाकिस्तान	33.7	49.1	42.0	50.9	71.4	5.4	6.5	5.5	11.2	7.4
मलेशिया	4.0	4.8	3.6	6.1	5.2	1.2	1.2	1.0	1.1	0.8
मैक्सिको	19.7	12.3	10.4	12.3	9.8	4.2	4.1	3.0	3.4	3.0
पाकिस्तान	10.8	11.3	11.3	15.2	15.2	4.0	4.8	4.0	4.5	3.7
फिलीपीन्स	23.9	15.7	19.1	18.2	18.4	6.8	5.9	6.2	6.4	4.8
रोमानिया	20.8	21.7	27.5	31.2	31.2	5.2	6.1	5.6	6.1	4.7
रूसी गणराज्य	13.8	9.1	11.5	15.1	12.8	3.5	3.7	3.9	4.8	3.7
दक्षिण अफ्रीका	6.5	5.4	4.3	4.5	4.9	1.9	2.0	1.7	2.0	2.4
थाईलैण्ड	9.4	11.8	7.8	6.7	4.8	1.2	0.9	0.8	0.8	0.7
तुर्की	32.9	32.4	30.3	41.9	36.7	7.9	8.0	7.4	8.2	7.2
यूक्रेन	18.0	17.6	19.7	38.8	40.7	4.3	4.6	4.1	7.8	6.0
वेनेजुएला आर बी	13.1	7.3	5.8	6.4	8.8	4.4	4.4	3.2	5.1	5.0

.. उपलब्ध नहीं।
टिप्पणी: भारत के लिए आंकड़ों के स्रोत भारत सरकार तथा भारतीय रिज़र्व बैंक हैं। अतः भारत के आंकड़े वित्तीय वर्ष (अप्रैल-मार्च) के हैं न कि कैलेंडर वर्ष के।
स्रोत : ग्लोबल डेवलपमेंट फाइनैंस ऑनलाइन डेटाबेस, विश्व बैंक, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार तथा भारतीय रिज़र्व बैंक।

कारण हुई थी। इस अवधि के दौरान बाह्य ऋण में वृद्धि का प्रमुख कारण अनिवासी बाह्य रुपया मूल्यवर्गित (एनआर(ई) आरए) जमाराशियों में बढ़ोतरी और अल्पावधि व्यापार ऋण में वृद्धि का होना था। जोखिम विमुखता के चलते बाह्य वाणिज्यिक ऋण का वितरण पिछले वर्ष की समान तिमाही की तुलना में 2012-13 की पहली तिमाही के दौरान कम रहा। ऋण की मुद्रा संरचना के संबंध में, अमरीकी डॉलर में मूल्यवर्गित ऋण सबसे अधिक अर्थात कुल बाह्य ऋण का 50 प्रतिशत से अधिक रहा। विभिन्न संकेतकों के संबंध में भारत की स्थिति सबसे अधिक ऋणग्रस्त 20 देशों की तुलना में अच्छी है। प्रमुख संकेतकों से पता चलता है कि यद्यपि बाह्य ऋण प्रबंधनीय स्तर के भीतर है, फिर भी पहली तिमाही के दौरान कुल ऋण की तुलना में अल्पावधि ऋण अनुपात और कुल ऋण की तुलना में विदेशी मुद्रा भंडार जैसे ऋण शोधन क्षमता संबंधी संकेतकों में थोड़ी गिरावट आई जिससे बाह्य ऋण की सूक्ष्म निगरानी आवश्यक हो जाती है। इस प्रवृत्ति से यह भी रेखांकित होता है कि मध्यावधि में ऋण की निरंतरता की दृष्टि से चालू खाते के वित्तपोषण के लिए इक्विटी प्रवाह पर पुनः ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।

अनुबंध I: क्यूयूईडीएस को रिपोर्ट करने वाले देशों का दिसंबर 2011 के अंत और मार्च 2012 के अंत में सकल बाह्य ऋण - मूल परिपक्वता

(बिलियन अमरीकी डॉलर)

	देश	2011ति4			2012ति1		
		अल्पावधि	दीर्घावधि	कुल	अल्पावधि	दीर्घावधि	कुल
1	अर्जेंटीना	41.4	99.6	141.0	40.4	101.4	141.8
2	आर्मेनिया	0.9	6.5	7.4	0.7	6.7	7.3
3	ऑस्ट्रेलिया	339.9	949.0	1,289.0	342.1	996.2	1,338.3
4	ऑस्ट्रिया	216.5	570.4	786.8	233.1	587.6	820.7
5	बेलारूस	13.4	20.6	34.0	12.9	20.8	33.7
6	बेल्जियम	720.7	682.7	1,403.5	690.6	726.9	1,417.5
7	ब्राजील	40.1	364.0	404.1	34.2	380.2	414.4
8	बुल्गारिया	12.9	33.8	46.7	13.3	35.4	48.7
9	कनाडा	399.8	796.2	1,196.0	393.6	819.2	1,212.8
10	चिली	17.2	81.4	98.6	17.8	82.1	99.9
11	कोलंबिया	10.8	65.1	75.9	10.1	66.8	76.9
12	कोस्टारिका	2.9	7.9	10.8	2.9	8.0	10.9
13	क्रोएशिया	6.7	52.9	59.6	7.1	54.6	61.7
14	चेक गणराज्य	28.0	65.9	93.9	30.3	72.6	102.9
15	डेनमार्क	250.8	317.8	568.6	265.9	328.7	594.6
16	इक्वेडोर	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
17	इजिप्त	3.0	30.7	33.7	3.0	30.5	33.4
18	अल साल्वाडोर	1.2	10.9	12.2	1.2	11.0	12.2
19	एस्टोनिया	8.4	11.8	20.2	8.8	12.4	21.2
20	फिनलैंड	252.3	283.5	535.8	275.7	307.3	583.0
21	फ्रांस	1,873.2	3,130.6	5,003.8	1,877.7	3,323.9	5,201.6
22	जॉर्जिया	1.6	9.6	11.3	1.7	9.7	11.4
23	जर्मनी	1,793.5	3,534.2	5,327.7	2,103.8	3,676.8	5,780.6
24	ग्रीस	234.9	241.6	476.5	245.7	272.8	518.4
25	हांगकांग, चीन	713.1	203.6	916.6	740.7	216.4	957.1
26	हंगरी	31.5	174.9	206.4	30.3	180.3	210.6
27	आइसलैंड	66.2	44.6	110.8	0.0	0.0	0.0
28	भारत	76.0	255.4	331.4	78.2	267.6	345.8
29	इंडोनेशिया	38.2	187.2	225.4	37.4	191.1	228.5
30	आयरलैंड	619.7	1,593.5	2,213.2	579.8	1,634.3	2,214.1
31	इज़राइल	45.6	58.4	103.9	42.0	58.1	100.1
32	इटली	689.9	1,646.1	2,336.0	798.4	1,703.3	2,501.7
33	जापान	2,272.7	842.5	3,115.2	2,284.2	778.2	3,062.3
34	जॉर्डन	9.9	7.3	17.2	9.8	7.5	17.3
35	कज़ाकिस्तान	8.9	114.9	123.8	8.9	120.4	129.3
36	कोरिया	136.1	262.2	398.4	136.3	275.1	411.4
37	किरगिज गणतंत्र	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
38	लातविया	12.0	26.0	38.0	12.8	27.1	39.9
39	लिथुआनिया	5.2	26.9	32.1	5.3	30.3	35.6
40	लक्जेमबर्ग	1,152.0	904.9	2,056.9	1,212.7	973.6	2,186.2
41	मैसेडोनिया	1.7	4.6	6.3	1.8	4.8	6.6
42	मलेशिया	43.7	48.0	91.7	45.3	47.9	93.2
43	माल्टा	31.3	12.3	43.5	32.5	13.0	45.5
44	मैक्सिको	51.3	234.7	286.1	59.3	249.2	308.5
45	मालडोवा	1.9	3.6	5.5	1.9	3.7	5.7
46	मोरोक्को	3.8	25.7	29.6	4.3	26.4	30.7
47	नीदरलैंड	1,009.7	1,442.8	2,452.5	1,081.3	1,466.8	2,548.0
48	नॉर्वे	242.3	344.0	586.3	273.0	369.4	642.4

अनुबंध I: क्यूयूईडीएस को रिपोर्ट करने वाले देशों का दिसंबर 2011 के अंत और मार्च 2012 के अंत में सकल बाह्य ऋण - मूल परिपक्वता *(समाप्त)*

(बिलियन अमरीकी डॉलर)

	देश	2011ति4			2012ति1		
		अल्पावधि	दीर्घावधि	कुल	अल्पावधि	दीर्घावधि	कुल
49	पेरू	6.3	37.2	43.5	7.1	39.6	46.7
50	फिलीपीन्स	7.0	54.7	61.7	7.4	55.5	62.9
51	पोलैंड	45.5	279.0	324.5	46.8	303.7	350.4
52	पुर्तगाल	191.3	289.4	480.7	213.2	293.4	506.7
53	रोमानिया	20.2	108.7	128.9	20.1	113.3	133.4
54	रूसी गणराज्य	69.9	475.5	545.4	72.1	493.3	565.5
55	सिंगापुर	888.5	197.0	1,085.4	905.0	200.7	1,105.7
56	स्लोवाक गणराज्य	29.7	39.0	68.6	28.6	42.0	70.6
57	स्लोवेनिया	11.0	42.8	53.8	15.4	41.1	56.5
58	दक्षिण अफ्रीका	18.9	92.6	111.5	21.8	96.7	118.5
59	स्पेन	780.1	1,493.7	2,273.8	869.2	1,508.1	2,377.3
60	स्वीडन	319.0	670.6	989.6	326.9	706.5	1,033.4
61	स्विट्ज़रलैंड	805.1	465.1	1,270.1	842.0	494.7	1,336.7
62	थाईलैंड	45.0	61.0	106.0	56.2	63.0	119.2
63	ट्यूनीशिया	4.9	17.5	22.5	5.5	17.6	23.1
64	तुर्की	83.8	222.6	306.4	90.2	228.0	318.2
65	यूक्रेन	32.7	93.5	126.2	32.8	94.1	126.9
66	यूनाइटेड किंगडम	7,011.3	2,862.9	9,874.2	7,264.2	2,944.0	10,208.1
67	संयुक्त राज्य अमरीका	5,414.3	10,093.9	15,508.2	5,263.6	10,217.7	15,481.2
68	उरुग्वे	0.1	13.9	14.1	0.1	14.5	14.6
69	यूरो क्षेत्र	0.0	1,830.8	1,830.8	0.0	1,843.3	1,843.3

स्रोत : विश्व बैंक के तिमाही बाह्य ऋण डेटाबेस की सारणी 1।

विवरण 1 : भारत का बकाया बाह्य ऋण

(बिलियन ₹)

मद	जून-11 सं.	सितं-11 सं.	दिसं.-11सं.	मार्च- 12 आंसं	जून-12 त्व.अ.
	1	2	3	4	5
I. बहुपक्षीय	**2,225**	**2,404**	**2,657**	**2,571**	**2,849**
अ. सरकारी उधार	1,939	2,090	2,310	2,226	2,445
i) रियायती	1,225	1,309	1,436	1,387	1,498
क) आईडीए	1,209	1,291	1,417	1,368	1,478
ख) अन्य #	16	18	19	19	20
ii) गैर रियायती	714	781	874	839	947
क) आईबीआरडी	398	428	477	453	510
ख) अन्य ##	316	353	397	386	437
आ. गैर सरकारी उधार	286	314	347	345	403
i) रियायती	0	0	0	0	0
ii) गैर-रियायती	286	314	347	345	403
क) सार्वजनिक क्षेत्र	161	179	197	194	228
आईबीआरडी	93	103	111	111	127
अन्य ##	68	76	86	83	102
ख) वित्तीय संस्थाएं	85	93	102	103	119
आईबीआरडी	21	22	25	27	30
अन्य ##	64	71	77	76	89
ग) निजी क्षेत्र	40	42	48	48	56
आईबीआरडी	0	0	0	0	0
अन्य	40	42	48	48	56
II. द्विपक्षीय	**1,178**	**1,325**	**1,439**	**1,362**	**1,555**
अ. सरकारी उधार	816	922	988	916	1,050
i) रियायती	816	922	988	916	1,050
ii) गैर-रियायती	0	0	0	0	0
आ. गैर-सरकारी उधार	362	403	451	446	505
i) रियायती	42	45	66	68	79
क) सार्वजनिक क्षेत्र	17	18	36	41	49
ख) वित्तीय संस्थाएं	25	28	29	27	30
ग) निजी क्षेत्र	0	0	0	0	0
ii) गैर-रियायती	320	358	385	378	426
क) सार्वजनिक क्षेत्र	138	149	157	142	157
ख) वित्तीय संस्थाएं	38	40	42	39	43
ग) निजी क्षेत्र	144	169	186	197	226
III. अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष	**285**	**304**	**325**	**315**	**340**
IV. व्यापार ऋण	**837**	**930**	**1,026**	**971**	**1,077**
क) क्रेता की साख पर उधार	737	818	906	859	950
ख) आपूर्तिकर्ता की साख पर उधार	28	32	34	32	36
ग) द्विपक्षीय ऋण का निर्यात ऋण वाला अंश	71	80	86	80	91
घ) रक्षा प्रयोजनों के लिए निर्यात ऋण	0	0	0	0	0

विवरण 1 : भारत का बकाया बाह्य ऋण

(बिलियन ₹)

मद	जून-11 सं.	सितं-11 सं.	दिसं.-11सं.	मार्च- 12 आंसं	जून-12 त्व.अ.
	1	2	3	4	5
V. वाणिज्यिक उधार	**4,145**	**4,726**	**5,297**	**5,383**	**5,903**
क) वाणिज्यक बैंक उधार	2,828	3,313	3,767	3,755	4,212
ख) प्रतिभूतिकृत उधार $ (एफसीसीबी सहित) सेबी ऋण निधि	1,286	1,386	1,502	1,602	1,672
ग) बहुपक्षीय/ द्विपक्षीय गारंटी और आईएफसी (डब्ल्यू) के साथ ऋण /प्रतिभूतिकृत उधार आदि	31	27	28	26	20
VI. एनआरआई जमाराशियां (एक वर्ष से अधिक की परिपक्वता)	**2,358**	**2,558**	**2,796**	**2,998**	**3,428**
क) एनआर (ई) आरए	1,168	1,240	1,354	1,607	2,009
ख) एफसीएनआर (बी)	720	774	819	766	804
ग) एनआरओ जमाराशियां	471	545	623	626	615
VII. रुपया ऋण *	**70**	**70**	**70**	**69**	**69**
क) रक्षा	63	63	63	62	62
ख) नागरिक +	7	7	7	7	7
VIII. अल्पावधि ऋण	**3,062**	**3,499**	**4,047**	**4,000**	**4,530**
क) व्यापार संबंधी ऋण	2,752	3,150	3,460	3,332	3,970
1) 180 दिनों से अधिक	1,652	1,885	2,118	2,005	2,546
2) 180 दिनों तक	1,100	1,266	1,342	1,327	1,424
ख) सरकारी खजाना बिलों और अन्य लिखतों में एफआईआई निवेश	264	302	473	481	466
ग) विदेशी केंद्रीय बैंकों तथा अंतरराष्ट्रीय संस्थानों आदि द्वारा खजाना बिलों में निवेश	2	3	3	3	3
घ) बाह्य ऋण देयताएं :	44	43	110	184	91
1) केंद्रीय बैंक	6	6	6	9	10
2) वाणिज्य बैंक	38	37	104	175	81
IX. कुल जोड़	**14,160**	**15,816**	**17,657**	**17,668**	**19,750**
ज्ञापन मदें					
अ. कुल दीर्घावधि ऋण	**11,098**	**12,317**	**13,610**	**13,670**	**15,221**
कुल ऋण के प्रतिशत के रूप में	78.4	77.9	77.1	77.4	77.1
आ. अल्पावधि ऋण	**3,062**	**3,499**	**4,047**	**4,000**	**4,530**
कुल ऋण के प्रतिशत के रूप में	21.6	22.1	22.9	22.6	22.9
इ. रियायती ऋण	**2,153**	**2,346**	**2,560**	**2,440**	**2,695**
कुल ऋण के प्रतिशत के रूप में	15.2	14.8	14.5	13.8	13.6

सं.: संशोधित; त्वअ: त्वरित अनुमान ; आंसं: आंशिक रूप से संशोधित

\# आईएफएडी, ओपीईसी और ईईसी (एसएसी) जैसी संस्थाओं को देय बकाया ऋण को दर्शाता है।

\## एडीबी से लिए गए ऋणों की बकाया राशि को दर्शाता है।

$ इसमें 100 प्रतिशत विदेशी संस्थागत निवेशक ऋण निधियों द्वारा किए गए निवल निवेश शामिल हैं।

* रुपये में मूल्यवर्गित और निर्यात से चुकाया जाने वाला उधार।

\+ इसमें मार्च 1990 से रुपया आपूर्तिकर्ता क्रेडिट शामिल हैं।

टिप्पणी : बहुपक्षीय ऋण में आईबीआरडी के ऋण का पुनर्मूल्यन और आईडीए ऋण के अंतर्गत 1971 से पूर्व के ऋण के लिए विनिमय दर समायोजन शामिल नहीं हैं।

विवरण 2: भारत का बकाया बाह्य ऋण

(मिलियन अमरीकी डॉलर)

मद	जून-11 सं.	सितं-11 सं.	दिसं.-11सं.	मार्च- 12 आंसं	जून-12 त्व.अ.
	1	2	3	4	5
I. बहुपक्षीय	**49,375**	**49,122**	**49,909**	**50,453**	**49,780**
अ. सरकारी उधार	43,015	42,702	43,380	43,686	42,707
i) रियायती	27,177	26,743	26,977	27,221	26,163
क) आईडीए	26,815	26,378	26,617	26,853	25,809
ख) अन्य #	362	365	360	368	354
ii) गैर रियायती	15,838	15,959	16,402	16,465	16,544
क) आईबीआरडी	8,829	8,748	8,953	8,896	8,908
ख) अन्य ##	7,009	7,211	7,449	7,568	7,635
आ. गैर सरकारी उधार	6,360	6,420	6,530	6,767	7,073
i) रियायती	0	0	0	0	0
ii) गैर-रियायती	6,360	6,420	6,530	6,767	7,073
क) सार्वजनिक क्षेत्र	3,568	3,658	3,706	3,808	3,991
आईबीआरडी	2,061	2,096	2,090	2,177	2,211
अन्य ##	1,507	1,562	1,616	1,631	1,780
ख) वित्तीय संस्थाएं	1,892	1,910	1,913	2,018	2,081
आईबीआरडी	459	452	466	531	525
अन्य ##	1,433	1,458	1,447	1,487	1,555
ग) निजी क्षेत्र	899	852	910	941	1,001
आईबीआरडी	0	0	0	0	0
अन्य	899	852	910	941	1,001
II. द्विपक्षीय	**26,168**	**27,077**	**27,038**	**26,714**	**27,248**
अ. सरकारी उधार	18,104	18,836	18,561	17,987	18,332
i) रियायती	18,104	18,836	18,561	17,987	18,332
ii) गैर-रियायती	0	0	0	0	0
आ. गैर-सरकारी उधार	8,064	8,241	8,477	8,727	8,916
i) रियायती	930	934	1,227	1,339	1,377
क) सार्वजनिक क्षेत्र	374	368	680	812	851
ख) वित्तीय संस्थाएं	555	566	547	527	526
ग) निजी क्षेत्र	0	0	0	0	0
ii) गैर-रियायती	7,135	7,307	7,250	7,388	7,538
क) सार्वजनिक क्षेत्र	3,073	3,042	2,965	2,780	2,772
ख) वित्तीय संस्थाएं	842	819	797	762	748
ग) निजी क्षेत्र	3,220	3,446	3,488	3,846	4,018
III. अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष	**6,367**	**6,213**	**6,108**	**6,163**	**6,037**
IV. व्यापार ऋण	**18,692**	**19,020**	**19,271**	**18,980**	**19,094**
क) क्रेता की साख पर उधार	16,487	16,731	17,024	16,794	16,864
ख) आपूर्तिकर्ता की साख पर उधार	630	651	634	623	636
ग) द्विपक्षीय ऋण का निर्यात ऋण वाला अंश	1,574	1,638	1,614	1,564	1,594
घ) रक्षा प्रयोजनों के लिए निर्यात ऋण	0	0	0	0	0

विवरण 2: भारत का बकाया बाह्य ऋण

(मिलियन अमरीकी डॉलर)

मद	जून-11 सं.	सितं-11 सं.	दिसं.-11सं.	मार्च- 12 आंसं	जून-12 त्व.अ.
	1	2	3	4	5
V. वाणिज्यिक उधार	**92,675**	**96,627**	**99,466**	**105,210**	**104,841**
क) वाणिज्यक बैंक उधार	63,233	67,735	70,728	73,402	74,796
ख) प्रतिभूतिकृत उधार $ (एफसीसीबी सहित) सेबी ऋण निधि	28,759	28,335	28,218	31,306	29,696
ग) बहुपक्षीय / द्विपक्षीय गारंटी और आईएफसी (डब्ल्यू) के साथ ऋण / प्रतिभूतिकृत उधार आदि	683	557	520	503	349
घ) स्वयं समापक ऋण	0	0	0	0	0
VI. एनआरआई जमाराशियां (एक वर्ष से अधिक की परिपक्वता)	**52,898**	**52,304**	**52,497**	**58,608**	**60,874**
क) एनआर (ई) आरए	26,190	25,344	25,430	31,408	35,681
ख) एफसीएनआर (बी)	16,142	15,824	15,376	14,968	14,272
ग) एनआरओ जमाराशियां	10,565	11,136	11,691	12,232	10,921
VII. रुपया ऋण *	**1,568**	**1,422**	**1,307**	**1,354**	**1,219**
क) रक्षा	1,411	1,278	1,175	1,216	1,101
ख) नागरिक +	157	144	132	138	118
VIII. अल्पावधि ऋण	**68,473**	**71,530**	**75,995**	**78,179**	**80,450**
क) व्यापार संबंधी ऋण	61,531	64,402	64,978	65,130	70,508
1) 180 दिनों से अधिक	36,933	38,528	39,779	39,182	45,220
2) 180 दिनों तक	24,599	25,874	25,199	25,948	25,288
ख) सरकारी खजाना बिलों और अन्य लिखतों में एफआईआई निवेश	5,901	6,176	8,886	9,395	8,268
ग) विदेशी केंद्रीय बैंकों तथा अंतरराष्ट्रीय संस्थानों आदि द्वारा खजाना बिलों में निवेश	48	66	58	64	56
घ) बाह्य ऋण देयताएं :	993	886	2,073	3,590	1,619
1) केंद्रीय बैंक	133	123	118	170	174
2) वाणिज्य बैंक	860	763	1,955	3,420	1,445
IX. कुल जोड़	**316,216**	**323,314**	**331,591**	**345,661**	**349,543**
ज्ञापन मदें					
अ. कुल दीर्घावधि ऋण	**247,743**	**251,784**	**255,597**	**267,482**	**269,093**
कुल ऋण के प्रतिशत के रूप में	78.3	77.9	77.1	77.4	77.0
आ. अल्पावधि ऋण	**68,473**	**71,530**	**75,995**	**78,179**	**80,450**
कुल ऋण के प्रतिशत के रूप में	21.7	22.12	22.9	22.6	23.0
इ. रियायती ऋण	**47,779**	**47,935**	**48,073**	**47,901**	**47,092**
कुल ऋण के प्रतिशत के रूप में	15.1	14.8	14.5	13.8	13.5

सं.: संशोधित; त्वअ: त्वरित अनुमान ; अ: अनंतिम

\# आईएफएडी, ओपीईसी और ईईसी (एसएसी) जैसी संस्थाओं को देय बकाया ऋण को दर्शाता है।

\## एडीबी से लिए गए ऋणों की बकाया राशि को दर्शाता है।

$ इसमें 100 प्रतिशत विदेशी संस्थागत निवेशक ऋण निधियों द्वारा किए गए निवल शामिल हैं।

* रुपये में मूल्यवर्गित और निर्यात से चुकाया जाने वाला उधार।

\+ इसमें मार्च 1990 से रुपया आपूर्तिकर्ता क्रेडिट शामिल हैं।

टिप्पणी : बहुपक्षीय ऋण में आईबीआरडी के ऋण का पुनर्मूल्यन और आईडीए ऋण के अंतर्गत 1971 से पूर्व के ऋण के लिए विनिमय दर समायोजन शामिल नहीं हैं।